News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-107
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
दिमाग ठंडा हो तो फैसले गलत नहीं होते, और भाषा मीठी हो तो अपने दूर नहीं होते!

बिहार सिटी चीफ

बिहार, बुधवार 24 जुलाई 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बिहार को पहली बार मिले इतने एक्सप्रेस वे, विकास की रफ्तार पकड़ेगी जोर

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ पटना, आखिरकार नीतीश कुमार को बीजेपी का साथ देने का फायदा मिल ही गया है. केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का आम बजट पेश किया. इस बजट से बिहार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चेहरे खिल उठे हैं. राज्य को जो महत्वपूर्ण एक्सप्रेस वे की सौगात मिली है उसमें से दो बेहद खास हैं, जिनका बिहारवासियों को बड़ा फायदा होगा. बिहार की बल्ले-बल्ले मोदी सरकार ने बिहार को दो नए एक्सप्रेस वे पटना पूर्णिया एक्सप्रेस वे और गया- बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस वे की बड़ी सौगात दी है.इसके साथ ही भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बन रहे एक्सप्रेस वे का काम काफी धीमी गति से चल रहा, जिसे अब केंद्र सरकार ने तीव्रता देने की कोशिश की है. गोरखपुर-सिलीगुड़ी वाया किशनगंज एक्सप्रेस वे और रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेस वे के काम में तेजी लाई जाएगी. रक्सौल हल्दिया एक्सप्रेस वे भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बनने वाली रक्सौल हल्दिया एक्सप्रेस वे की 719 किमी के छक्क पर पहले से काम चल रहा है. गोरखपुर सिलीगुड़ी वाया किशनगंज एक्सप्रेस वे और रक्सौल हल्दिया एक्सप्रेस वे का

काम ठंडे बस्ते में चला गया है. इस एक्सप्रेस-वे का लागत लगभग 54 हजार करोड़ रुपए है. रक्सौल -हल्दिया हाई स्पीड कॉरिडोर बिहार के पूर्वी चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मुजफ्फरपुर, बेगूसराय, लखीसराय, जमुई और बांका से गुजरेगा. पटना पूर्णिया एक्सप्रेस वे बिहार को दो नए एक्सप्रेस वे मिले हैं. इनमें पटना पूर्णिया एक्सप्रेस वे की काफी चर्चा है. इस एक्सप्रेस वे की लंबाई 300 किलोमीटर होगी. पटना पूर्णिया एक्सप्रेस वे के बन जाने से कई जिलों की एक दूसरे से कनेक्टिविटी होगी. पटना पूर्णिया एक्सप्रेस वे से पटना, वैशाली, नालंदा, लखीसराय, मुंगेर, खगड़िया, मधेपुरा और पूर्णिया के लोगों को लाभ होगा और उनका सफर बहुत आसान हो जाएगा. गया- बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस वे गया- बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेस वे की लंबाई 386 किलोमीटर होगी. इन दोनों ही एक्सप्रेस वे पर सौ-सौ किलोमीटर के पैच पर चालू वित्तीय वर्ष में काम प्रारंभ हो जाएगा. बक्सर भागलपुर एक्सप्रेस वे से भी कई जिलों के लोग लाभान्वित होंगे. यह एक्सप्रेस वे बक्सर, भोजपुर, रोहतास, अरवल, औरंगाबाद, गया, जहानाबाद, नवादा, जमुई, शेखपुरा, बांका और भागलपुर को कनेक्ट करेगा.

इन एक्सप्रेस वे के काम को तीव्रता देने की कोशिश भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बिहार के दो एक्सप्रेस वे का काम काफी धीमी गति से चल रहा है. केंद्र सरकार ने इसे गति देने का प्रयास किया है. निर्मला सीतारमण ने अपने भाषण में कहा कि गोरखपुर सिलीगुड़ी वाया किशनगंज और रक्सौल हल्दिया एक्सप्रेस वे की डीपीआर पर काम पहले से चल रहा है,लेकिन काम की गति धीमी है.गोरखपुर सिलीगुड़ी वाया किशनगंज एक्सप्रेस वे भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत बनने वाली गोरखपुर सिलीगुड़ी वाया किशनगंज एक्सप्रेस वे की लंबाई 521 किमी है, इसपर पहले से काम चल रहा है. यूपी से शुरू होने वाले यह एक्सप्रेस बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल तक जाएगा. यह गोरखपुर-पानीपत एक्सप्रेस से भी जुड़ेगा. इससे गोरखपुर किशनगंज और सिलीगुड़ी तक सीधा संपर्क होगा.

केन्द्रीय बजट में बिहार की बल्ले बल्ले से सीएम गदगद

नीतीश बोले- 'हम संतुष्ट हैं'

चन्दन कुमार चौबे। सिटी चीफ पटना, केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का बजट पेश किया. इस बजट में बिहार के लिए 58,900 करोड़ आवंटित किया गया. जिसके बाद से बिहार एनडीए के नेता गदगद दिखाई पड़ रहे हैं. सभी केन्द्र सरकार की सराहना करते दिखाई पड़ रहे हैं. हालांकि पप्पू यादव ने एक बार फिर से नीतीश कुमार के जेडीयू को केन्द्रीय मंत्रिमंडल से हटने के सलाह दे रहे हैं. आम बजट को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा हम लोग विशेष राज्य या फिर विशेष अधिकार के लिए मदद की मांग कर रहे थे. केंद्र मदद कर रहा है. हम इस बजट से संतुष्ट हैं. हम लोग 2005 से काम कर रहे हैं. बिहार का क्या हाल था. रोड स्कूल हर क्षेत्र में हम लोगों ने काम किया. हम लोगों ने पहले ही कह दिया था कि मदद कीजिए. कई चीजों में उन्होंने मदद की है. बिहार को अतिरिक्त मदद मिलेगा, तो फायदा होगा ही. हम लोग विशेष राज के दर्जे की मांग

कर रहे थे लेकिन जब विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिल सकता है तो बिहार की सहायता के लिए विशेष मदद मिलना चाहिए और वह मदद मिल रहा है.- **नीतीश कुमार, मुख्यमंत्री, बिहार**

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि, जिस तरह केंद्रीय बजट में बिहार के सभी सेक्टर के विकास के लिए राशि दी गई है. इसको लेकर हम केंदीय मंत्री निर्मला सीतारमण और पीएम मोदी को बिहार की जनता की तरफ से धन्यवाद देते है. उन्होंने कहा कि सिर्फ सड़क निर्माण के क्षेत्र के 26 हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं. नए विश्वविद्यालय के लिए हजारों करोड़ रुपए दिए गए हैं. यह काबिले तारीफ है. उन्होंने कहा कि आगे भी बिहार के विकास कार्यों को लेकर केंद्र सरकार आर्थिक मदद करती रहेगी.

सड़क हादसे में आर्मी जवान और उनकी डेढ़ साल की बेटी की मौत

नम आंखों से दी गयी अंतिम विदाई

चन्दन कुमार चौबे। सिटी चीफ जमुई, जमुई में सड़क दुर्घटना में आर्मी जवान अजीत पांडे और उनकी डेढ़ साल की पुत्री अदिति की मौत के बाद मंगलवार को शव यात्रा निकाली गई। तिरंगे में लिपटे शव यात्रा को देख हर किसी की आंखें नम हो गई। अजीत पांडे अमर रहे卐के नारे से पूरा गांव गूंज उठा।तीन किलोमीटर तक शव यात्रा निकाली गई। एक साथ पिता और पुत्री की शव यात्रा देख हर किसी की आंखों से आंसू निकल गए। जिसने भी इस हृदय विदारक घटना को देखा वह खुद को रोक नहीं सके।

दरअसल,जमुई जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र के बंझूलिया इलाके के पास बीते सोमवार को एक दिल दहला देने वाली घटना ने पूरे क्षेत्र को शोक की लहर में डुबो दिया।बताते चलें कि बीते सोमवार को आर्मी जवान अजीत पांडेय और उनकी डेढ़ साल की बेटी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।यह घटना उस वक्त हुई जब अजीत अपने परिवार के साथ महादेव सिमरिया से पूजा कर वापस घर गिद्धौर लौट रहे थे।तभी उनकी गाड़ी एक पेड़ से टकराया गया था।इस दुर्घटना में अजीत और उनकी मासूम बेटी की मौत हो गई।जबकि पत्नी स्मिता और मां बुलबुल देवी का इलाज पटना में चल रहा है। इधर आर्मी जवान अजीत पांडेय की मौत उनके परिवार और पूरे गांव के लिए अपूरणीय क्षति थी।इस दुखद घटना के बाद,मंगलवार को अजीत पांडेय को अंतिम विदाई दी गई।गया से आए आर्मी के जवानों ने सम्मान के साथ उन्हें सलामी दी और पूरे राज्य के सम्मान के साथ उनका गांव में ही अंतिम संस्कार किया गया।आर्मी जवान अजीत पांडे के शव और उनकी डेढ़ साल की बेटी को उनके छोटे भाई शुभम ने मुखाग्नि दी।अजीत पांडेय और उनकी बेटी की एक साथ चिता को आग लगाई गई,जिसने है किसी को झकझोर दिया।

इस दौरान,गांव के लोग,पड़ोसी और अधिकारी सभी की आंखें आंसुओं से भर गईं।घटना के बाद गांव में शोक की लहर है और हर कोई इस दु:खद घटना को अपने जीवन का हिस्सा मान रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि अजीत पांडेय की वीरता और समर्पण को हमेशा याद किया जाएगा और उनकी यादें उनके परिवार और गांव वासियों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेंगी।

अज्ञात बीमारी से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

ग्रामीणों में दहशत, WHO की टीम पहुंची गांव

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ पूर्णिया, पूर्णिया में अज्ञात बीमारी से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत के बाद हड़कंप मच गया है। तीन लोगों की मौत से गांव के लोगों में दहशत का माहौल है। मेडिकल टीम गांव पहुंची है और जांच में जुट गई है। मामला पूर्व प्रखंड क्षेत्र के रामपुर पंचायत अंतर्गत महादलित टोला के वार्ड संख्या 7 का है।

दरअसल, एक हीं परिवार में तीन लोगों की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। किसी बीमारी के कारण मौत होने की बात कही जा रही है तो वहीं ग्रामीण कोई अन्य कारण बता रहे हैं, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। बताया जा रहा है कि वासुदेव ऋषि का बेटा अखलेश ऋषि 18 जुलाई को पंजाब से वापस अपने घर आया हुआ था। उसी दिन अचानक उसके पेट मे तेज दर्द होना शुरू हो गया। जिसके बाद परिजनों ने घर पर हीं उसका इलाज करवाया और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। इस घटना के ठीक दो दिन बाद अखिलेश ऋषि की दादी की मौत हो गयी और इसके बाद अखिलेश ऋषि को अग्नि देने वाले भाई मिथुन ऋषि की भी मौत बीते सोमवार पेट दर्द होने के कारण हो गई। इस घटना से ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। लोग मौत के कारण का पता लगाने में जुड़े हुए हैं तो कुछ लोग अंधविश्वास का सहारा ले रहे हैं। मृतकों के परिजन वासुदेव ऋषि ने बताया कि अचानक दुख का पहाड़ उनके परिवार के ऊपर टूट पड़ा है।

पांच दिन में दो बेटा और उनकी मां की मौत हो गयी है। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने परिवार को हर संभव मदद करने का भरोसा दिलाया है। प्रभारी पीएचसी पदाधिकारी डॉक्टर शरद कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी मिली है। तुरंत मेडिकल टीम को रामपुर महादलित टोला के लिये भेजा गया है। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ स्थानीय लोगों की भी जांच की गई है हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया की मौत का वजह क्या है। अगर मृतक का पोस्टमार्टम हुई रहती तो मौत का कारण स्पष्ट हो सकता था। फिलहाल पूरी मेडिकल टीम की नजर इस गांव में लगी हुई है। उन्होंने बताया कि कैंप लगा कर पूरे गांव के लोगों की जांच की जाएगी। तीनों लोगों की मौत कैसे हुई, यह स्पष्ट अब तक नहीं हुआ है। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। पूरे मामले पर डीएम कुंदन कुमार ने बताया कि एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत के मामले की जानकारी मिलते ही तुरंत मेडिकल टीम को रामपुर गांव के लिए रवाना कर दिया गया है। साथ ही ਘ੍ਰ॥ਫ਼ की टीम को भी भेजी गई है। फिलहाल पूरे गांव की थर्मल स्कैनिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों को अफवाहों से बचाना है। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देनी है। मौत का कारण क्या है इसको लेकर डॉक्टर की टीम लगी हुई है, जल्द ही पता चलेगा।

मोतिहारी में तेल टैंकर पलटते ही मची लूट

लोग बाल्टी और केन लेकर दौड़े

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ मोतिहारी, मोतिहारी में सड़क हादसे में तेल टैंकर पलट गया. जिसके बाद मुफ्त तेल लेने की लूट मच गई. दरअसल, रक्सौल के बाइपास रोड के पास एक तेल टैंकर और ट्रक में भिड़ंत हो गई. तेल टैंकर तीन चार बार पलटते हुए रेलिंग तोड़कर सड़क के नीचे चला गया. टैंकर पलटते ही सड़क पर तेल का रिसाव होने लगा. जैसे ही ग्रामीणों ने ये दृश्य देखा, मौके का फायदा उठाते हुए जमकर तेल की लूट की. लूट की ऐसी मची होड़ की लोग अपने घरों से बर्तन और डब्बे लाकर तेल भरकर भागने लगे. जिसे जितना हाथ लगा उसने तेल लूट लिया और मौके से गायब हो गए. इस दौरान कोई बाल्टी में तो कोई प्लास्टिक के कैन में तेल भरता हुआ नजर आया. जिसे जो हाथ लगा उसने उसी को तेल से भर लिया और चुपचाप घर निकल गए. मोतिहारी में ट्रक और तेल टैंकर के बीच टक्कर हुई है. तेल टैंकर पलट गया और तेल का रिसाव होने लगा. दोनों गाड़ियों के ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हैं. सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.- **धीरेंद्र कुमार, डीएसपी, रक्सौल**

हादसा इतना जबरदस्त था कि दोनों गाड़ियों के ड्राइवर गंभीर रुप से जख्मी हो गए. वहीं जख्मी चालकों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. तेल से भरा टैंकर भारत से नेपाल जा रहा था. तभी रक्सौल बाइपास में तेल के टैंकर और ट्रक के बीच आमने सामने की भीषण टक्कर हो गई. टैंकर से तेल रिसाव की खबर फैलते ही लोगों में तेल लूटने की होड़ मच गई।

वित्त मंत्री ने पेश किया देश का आम बजट

जानिए क्या हुआ सस्ता और किन चीज़ों के बढ़े दाम

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ पटना, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज देश का आम बजट पेश कर दिया है। इस बजट में मोबाइल फोन और चार्जर के सस्ते करने वाला ऐलान कर दिया है। बजट में वित्त मंत्री ने आज आम लोगों के काम आने वाली वस्तुओं को लेकर बड़ी राहत वाले ऐलान किए हैं। इस बजट में सोने-चांदी पर कस्टम ड्यूटी घटकर 6 फीसदी हो गई है जिससे ये सस्ते होंगे। इसके अलावा प्लेटिनम पर भी कस्टम ड्यूटी घटी है जिसके बाद ये भी सस्ते होने वाला है। दरअसल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण में सोना और चांदी के ऊपर कस्टम ड्यूटी को घटाकर 6 फीसदी करने का प्रस्ताव किया है। उसके अलावा उन्होंने प्लैटिनम के लिए भी कस्टम ड्यूटी को घटाकर 6.4 फीसदी करने की जानकारी दी। ऐसे में सरकार के इस फैसले के अमल में आने के बाद सोना, चांदी और प्लैटिनम की कीमतें घट जाएंगी। इसके अलावा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कैंसर मरीजों को इलाज में बड़ी राहत दी है। मेडिकल में कैंसर से जुड़ी बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली दवाएं, उपकरणों पर कस्टम ड्यूटी घटाई गई है। इससे कैंसर का इलाज सस्ता होगा। साथ ही, वित्त मंत्री ने मोबाइल फोन, मोबाइल चार्जर, बिजली के तार, एक्सरे मशीन और सोलर सेट्स पर भी टैक्स कम किया है। चमड़े से बनी वस्तुओं के साथ झींगा मछली के दाम में भी कमी आएगी। उधर इस बजट में महंगी होने वाली चीज़ों की बात करें तो इस बार प्लास्टिक से बनने वाली चीज़ों के दाम बढ़ सकते हैं। इसके अलावा सोलर सेल या फिर सोलर मॉड्यूल बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले सोलर ग्लास पर भी टैक्स बढ़ा है। इसका मतलब है कि सोलर सिस्टम लगवाना अब थोड़ा महंगा हो सकता है।वित्त मंत्री ने कुछ टेलिकॉम इक्विपमेंट पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को बढ़ा दिया है। पहले इन प्रोडक्ट्स पर 10 फीसदी बेसिक कस्टम ड्यूटी थी, लेकिन अब 15 फीसदी लगेगी।

शिवहर डीएम के नाम पर मांगा जा रहा है पैसा

डीएम ने एसडीपीओ को दिया जांच का आदेश

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ शिवहर, जिला से एक

अजीबोगरीब खबर आ रही है जहां शिवहर डीएम पंकज कुमार के नाम पर अधिकारियों से पैसा मांगा जा रहा है. डीएम ने बताया कि अपने मोबाइल नंबर के डीपी में जिला पदाधिकारी शिवहर का फोटो लगाकर जिले के अन्य अधिकारी से व्हाट्सएप पर पैसा मांगने का मामला सामने आया है।इस मामले में जिला पदाधिकारी शिवहर पंकज कुमार ने संज्ञान लिया है. जिला पदाधिकारी ने इस मामले में गंभीरता दिखाते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को त्वरित कार्यवाही का निर्देश दिया है. साथ ही इस संबंध में कोई मैसेज तथा कॉल आए तो पुलिस को इसकी तत्काल सूचना देने की बात कही है. जिला प्रशासन की तरफ से सभी को इस विषय में जागरूक करते हुए कहा गया है कि मोबाइल नंबर पर (+94 783671974) जिस पर जिला पदाधिकारी का डीपी लगाकर अन्य अधिकारी से पैसे की मांग की गई है, इससे सावधान रहें।

झाड़-फूंक के चक्कर में गई युवक की जान

सांप काटने के बाद उसे डिब्बे में लेकर पहुंचा अस्पताल

रेफर के बाद चला गया ओझा-गुणी के पास

कटिहार, बिहार के कटिहार जिले में एक युवक की मौत उसकी गलती के कारण हो गयी। यदि समय रहते इलाज होता तो शायद आज वो जीवित होता। दरअसल पेशे से मजदूर टिंपा रॉय नदी के किनारे काम कर रहा था तभी जहरीले सांप ने उसे डस लिया। सांप के काटने से वो गुस्सा हो गया और उसे जिंदा पकड़ एक डिब्बे में बंद कर दिया। फिर सांप को डिब्बे में लेकर वो आजम नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गया जहां जिंदा सांप को देखकर डॉक्टर भी दंग रह गए। वही डिब्बे में बंद जहरीले सांप को देखने के लिए अस्पताल में लोगों की भीड़ लग गयी। डॉक्टर ने युवक से पूछा कि सांप लेकर अस्पताल क्यों आए? तब युवक ने जवाब दिया कि आप पूछते कि कौन सांप काटा है तब हम क्या जवाब देते? सोचा कि सांप को तो पहचानते नहीं क्यों ना सांप को ही पकड़कर ले चलते हैं..सांप की पहचान के बाद इलाज जल्दी से शुरू होगा। उसकी बातें सुनकर डॉक्टर और अस्पताल कर्मी भी हैरान रह गये। फिर प्राथमिक उपचार कर डॉक्टरों ने उसे कटिहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया लेकिन युवक सदर अस्पताल ना जाकर सांप का विष निकालने वाले वैद्य हकीम और ओझा गुणी के पास चला गया। जहां कई घंटे तक उसे नीम के पत्ते से झाड़-फूंक किया गया लेकिन उसकी तबियत बिगड़ती चली गई। युवक की हालत बिगड़ता देख परिजन उसे फिर से आजमनगर स्वास्थ्य केंद्र ले गये। लेकिन वहां के डॉक्टर ने कहा कि मरीज को पहले ही कटिहार सदर अस्पताल रेफर किया गया था। लेकिन वो कटिहार सदर अस्पताल ना जाकर झाड़-फूंक कराने चला गया। समय पर इलाज नहीं होने की वजह से उसकी मौत हो गयी है। आजमनगर स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों ने जिस वक्त सदर अस्पताल रेफर किया गया था उसी समय यदि युवक सदर अस्पताल चला जाता तो आज उसकी जान बच सकती है। युवक को अपनी गलती की सजा मिली। एक गलती की वजह से उसकी जान चली गयी। यह सीख है उन लोगों के लिए जो झाड़-फूंक के चक्कर में पड़ते हैं। इसलिए कभी इस तरह के ओझा-गुणी के चक्कर में ना पड़े। टिंपा राय की मौत से परिजनों के बीच कोहराम मचा हुआ है पूरे इलाके में इस घटना की चर्चा हो रही है।

मुंडन में जा रहा पिकअप वैन और तेल टैंकर के बीच भीषण टक्कर,महिला की मौत; 15 लोग घायल

चन्दन कुमार चौबे । सिटी चीफ आरा, बिहार में सड़क हादसे की घटना में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। राज्य के अंदर आए दिन सड़क हादसों की वजह से लोगों की जान जा रही है। ऐसे में अब एक ताजा मामला भोजपुर से निकल कर सामने आ रहा है। जहां एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। यहां सड़क किनारे खड़ी तेल टैंकर से पिकअप की टक्कर हो गई है। जिसमें एक महिला की दर्दनाक मौत और 15 लोग बुरी तरह से जख्मी हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार आरा में मुंडन के लिए जा रही सवारियों से भरी पिकअप वैन और तेल टैंकर के बीच भीषण टक्कर हुई है। इस दुर्घटना में एक बुजुर्ग महिला क मौत हो गई, जबकि पिकअप पर सवार करीब 15 लोग बुरी तरह से जख्मी हो गए हैं। जिन्हें इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह मामला शाहपुर थाना क्षेत्र के बनाही गांव के पास का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, बिमवां गांव निवासी लाल जी के दो वर्षीय बेटे राज बाबू के मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए सभी लोग पिकअप वैन से बक्सर जिले के ब्रह्मपुर शिव मंदिर जा रहे थे। इसी दौरान शाहपुर थाना क्षेत्र के बनाही मोड़ के पास पिकअप वाहन अनियंत्रित हो गई और वह सड़क किनारे खड़ी तेल के टैंकर से जा टकराई। जिसके बाद पिकअप में बैठे लगभग डेढ़ दर्जन लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। उधर, इस सड़क दुघर्टना में घायल महिला विक्की देवी ने बताया कि वह अपने रिस्तेदारों के साथ भतीजे के मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निकली थी. पूरा परिवार पिकअप गाड़ी पर सवार होकर ब्रह्मपुर शिव मंदिर जा रही थी। तभी हादसा हो गया। जबकि इस घटना को लेकर सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉ रिशी सिंह ने बताया कि सड़क हादसे में घायल करीब 15 लोगों को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया था। जिसमें एक महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई. वहीं घायल अन्य लोगों का इलाज चल रहा है।